

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
शास्त्री पाठ्यक्रम
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- AEC-01
प्रथम सेमेस्टर

क्रेडिट 02
पूर्णांक : 100

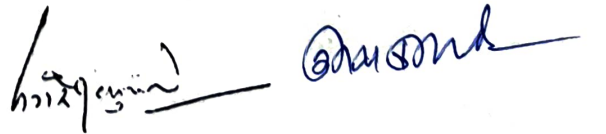
AEC-01	हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण	पूर्णांक 100
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	हिंदी व्याकरण एवं रचना-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग वचन, कारक एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे एवं लोकोक्तियां।	50
2.	संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण के माध्यम, संप्रेषण की तकनीक, अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध, साक्षात्कार, भाषण, कला एवं रचनात्मक लेखन	50

संदर्भ ग्रंथ:-

- | | |
|--|---------------------------|
| 1. हिंदी व्याकरण | - कामता प्रसाद गुरु। |
| 2. हिंदी भाषा | - डॉ. हरदेव बाहरी। |
| 3. हिंदी भाषा | - डॉ. भोला नाथ तिवारी। |
| 4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना | - वासुदेव नंदन प्रसाद। |
| 5. सामान्य हिंदी | - शिवमूर्ति शर्मा। |
| 6. सामान्य हिंदी | - केदार शर्मा। |
| 7. हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र | - डॉ. अर्चना रानी बालिया। |
| 8. आधुनिक हिंदी व्याकरण | - पृथ्वीनाथ पाण्डेय। |







उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
शास्त्री पाठ्यक्रम
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- AEC-02
द्वितीय सेमेस्टर

क्रेडिट 02
पूर्णांक : 100

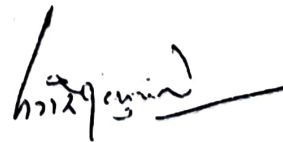
AEC-02	हिन्दी भाषा	पूर्णांक 100
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रकृति, भाषा के विविध रूप। हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम। हिंद की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार : ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त। व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।	50
2.	उच्चारण अवयव। बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि। भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति वाचन तथा लेखन। हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद-सरल वाक्य, मिश्र वाक्य, संयुक्त वाक्य।	50

संदर्भ ग्रंथ:-

- | | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| 1. हिंदी व्याकरण | - कामता प्रसाद गुरु। |
| 2. अच्छी हिंदी | - रामचंद्र वर्मा। |
| 3. हिंदी भाषा | - डॉ० हरदेव बाहरी। |
| 4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना | - डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद। |
| 5. हिंदी व्याकरण | - डॉ० पृथ्वीनाथ पांडेय। |
| 6. हिंदी वाक्य रचना | - प्रो० सूरजभान सिंह। |
| 7. मुग्धबोध हिंदी व्याकरण | - कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध'। |




2





उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
शास्त्री पाठ्यक्रम
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- AEC-03
तृतीय सेमेस्टर

क्रेडिट 02
पूर्णांक : 100

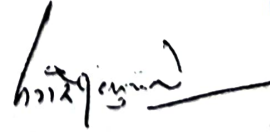
AEC-03	भाषा शिक्षण	पूर्णांक 100
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	हिंदी भाषा, शब्द भंडार- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर। भाषा प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर, भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय, व्याकरण बोध, मानक हिंदी, वाक्य-विन्यास, उच्चारण अवयव	50
2.	देवनागरी लिपि, इतिहास वैशिष्ट्य, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष	50

संदर्भ ग्रंथ:-

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा।
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
4. भाषा विज्ञान एवं मानक हिंदी : प्रो. नरेश मिश्र।
5. हिंदी व्याकरण : डॉ. कामता प्रसाद गुरु।
6. हिंदी व्याकरण शब्द भंडार : प्रो. कृष्ण कुमार गोस्वामी।
7. मानक शब्दों का सही उपयोग : डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया।
8. हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना : प्रो. सूरजभान सिंह।









उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
शास्त्री पाठ्यक्रम
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- AEC-04
चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट 04
पूर्णांक : 100

AEC-4	कार्यालयी हिंदी	पूर्णांक 100
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	कार्यालयी हिंदी: अभिप्राय तथा उद्देश्य, कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएं। पत्र की अवधारणा, स्वरूप और महत्व, पत्राचार के विविध प्रकार।	50
2.	कार्यालय पत्र लेखन। टिप्पण एवं प्रारूपण का परिचय एवं प्रकार।	50

संदर्भ ग्रंथ:-

1. चन्द्रपाल शर्मा, कार्यालयी हिंदी प्रकृति, समता प्रकाशन दिल्ली 1991।
2. डॉ० विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2009।
3. कैलाश चंद भाटिया प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप, लक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2005।
4. कैलाश नाथ पाण्डेय, प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018।
5. डॉ. दिनेश चंद्र चमोला, प्रयोजनमूलक, प्रशासनिक हिंदी, अदिश्य प्रकाशन, देहरादून।
6. माधव सोनटक्के, कार्यालयी हिंदी।
7. मुश्ताक अली, कार्यालयी हिंदी कम्प्यूटर, अनुप्रयोग एवं हिन्दी अनुवाद, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

AL

Indan

AM

h

haryanvi

Om Om